

डिफेंस कॉन्क्लेव में एक लाख करोड़ रुपये निवेश का लक्ष्य

डीआरडीओ, एचएएल, बीईएल और वैश्विक कंपनियां होंगी शामिल

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को देश का सबसे बड़ा रक्षा निर्माण केंद्र बनाने की तैयारी में है। इसी दिशा में सरकार उत्तर प्रदेश रक्षा एवं एफडीआई कॉन्क्लेव-2026 आयोजित करने जा रही है। इसका उद्देश्य डिफेंस कॉरिडोर में अब तक आए करीब 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। इसके लिए वैश्विक रक्षा कंपनियों, डीपीएसयू, स्टार्टअप और एमएसएमई को एक मंच पर लाने की योजना बनाई गई है।

इस कॉन्क्लेव का प्रस्तुतीकरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ के सामने भी किया जा चुका है। लखनऊ में प्रस्तावित इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ, एचएएल, बीईएल, विदेशी रक्षा कंपनियों और निवेशकों के शामिल होने की संभावना है। सरकार का मानना है कि उत्तर प्रदेश रक्षा निर्माण, एयरोस्पेस और ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में तेजी से बड़ा केंद्र बन रहा है। इसी कारण बुंदेलखंड क्षेत्र में विशेष

बुंदेलखंड को मिलेगा विशेष प्रोत्साहन पैकेज और अतिरिक्त सब्सिडी

एमएसएमई और स्टार्टअप को भी डिफेंस सेक्टर में मिलेगा बड़ा अवसर

प्रोत्साहन पैकेज, भूमि रियायतें और अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा भी कॉन्क्लेव के दौरान की जा सकती है।

यूपीडा के अनुसार डिफेंस कॉरिडोर के छह नोड लखनऊ, कानपुर, झांसी, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट में अब तक 35526 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा निवेश कानपुर और झांसी में आया है। अब तक 2040 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है, जिसमें लगभग 978 हेक्टेयर उद्योगों को आवंटित हो चुकी है। 62 कंपनियों को जमीन दी गई है और नौ में उत्पादन शुरू हो चुका है।

कानपुर में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 1500 करोड़ रुपये की लागत से गोला-बारूद निर्माण इकाई शुरू की है। लखनऊ में ब्रह्मोस-एनर्जी मिसाइल असेंबली यूनिट

सभी नोड की होगी अलग-अलग विशेषज्ञता

सरकार छहों नोड को अलग-अलग विशेषज्ञता के आधार पर विकसित कर रही है। लखनऊ को मिसाइल और एयरोस्पेस, कानपुर को गोला-बारूद और रक्षा टेक्सटाइल, झांसी को भारी रक्षा उपकरण, अलीगढ़ को छोटे हथियार और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर का केंद्र बनाया जा रहा है। आगरा और चित्रकूट में एमएसएमई आधारित रक्षा इकाइयों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

■ फिक्की यूपी के चेयरमैन मनोज गुप्ता के अनुसार प्रस्तावित कॉन्क्लेव से नई नीतियां, ड्रोन और एयरोस्पेस निवेश तथा एक्सप्रेसवे आधारित लॉजिस्टिक नेटवर्क के जरिए निवेश को तीन गुना तक बढ़ाने में मदद मिलेगी।

स्थापित हो चुकी है। अलीगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और सैटेलाइट सिस्टम बनाए जा रहे हैं। वहीं टाटा ग्रुप, एयरबस, बोइंग, बीईएल और एचएएल जैसी कंपनियों की संभावित भागीदारी पर भी काम चल रहा है।